privatise all the profit making public sector units. It has not got the sanciton of the Parliament. The assets have been created through the Parliament. The President has 100 per cent shares. If the share is being diluted below 50 per cent then I would appeal to this House, I would appeal to ail the people here— those who have got any feelings for the workers, 20 lakh workers are involved — that this must be discussed in the Parliament. Even the private promoters cannot take such decisions. If this is the signal you are going to give that anyone can suspend his operation only because working capital is not there then tomorrow any profit making industry, as Mr. Yoginder Alagh was referring, the blue chip companies in this country can be privatised with a single stroke of a pen. We are losing our assets and the Parliament has become a silent spectator. Would the Parliament remain a silent spectator? All the trade unions in the whole of the country are holding demonstrations. How long will the Parliament be a silent spectator of the sale of our public sector—when the Parliament is not even being informed about it? How long will we remain silent spectators, Sir? This is my question.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN MJW: Shri A. Vijaya Ragha-van. He is not nere. Shri Ramnarayan Goswami. He is also not here. Shri Nilotpal Basu. He is not here. Shri Vayalar Ravi. He is also not here.

Shri Md. Salim.

**Unrest in Maruti Udyog Limited**

श्री मोहम्मद सलीम ( पश्चिमी बंगाल): उपसभाध्यक्ष जी, वैसे तो मेरा मामला दूसरा है, लेकिन इसी के साथ संबंधित है। हमारे यहां जो पब्लिक सेक्टर प्रोफिटेबल है...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आपका नाम इसमें नहीं है। आपका नाम तो मारूति उद्योग के विषय में है।

श्री मोहम्मद सलीम: सर, मैं इसी पर कह रहा हूं, कि हमारे प्रोफिटेबल पब्लिक सेक्टर, किसी तरह से दबाव में आकर हो या एल्योरमेंट में आ कर हो, लालच से हो , वह हमारे हाथ से आहिस्ता-आहिस्ता छोड़े जा रहे है। मारूति उद्योग लिमिटेड इसका एक क्लाकसिक एग्जाम्पल है कि किस तरह से हम पब्लिक सेक्टर बनाते है, कि तरह से गवर्नमेंट उसे कन्सेशन देती है जमीन से लेकर टेक्स तक में, उसके बाद जब वह भारत की एक जैम इंडस्ट्री बन जाती है तो उसको किस तरह से हम मल्टीनेशनल के हाथ में ट्रांसफ्र कर देते हैं। गवर्नमेंट को जिन कंपनियों को आगे बढ़ाना चाहिए, ऊपर उठाना चाहिए, मदद देनी चाहिए, उसको तो बंद कर हैंइ है। So, it is a question of privatisation of profits and nationalisation of losses.

तो इस तरह से हमारे मुल्क को ही अंदर से खोखला बनाने की कोशिश की जा रही है। मारूति उद्योग लिमिटेड के बारे में मंत्री महोदय ने अचानक एक स्टेटमेंत उस दिन दिया यहां पर और उसमें यह कहा कि एक एग्रीमेंट हो गया है आऊट आफ द कोर्ट सेटलमेंट। उन्होंने उस रोज हम लोगों को यह कहा था। आज मैं सभापती महोदय के प्रति ग्रेटफुल हूं कि उन्होंने मेरा यह स्पेशन मेंशन एलाऊ किया। आपको मालूम होगा कि उस दिन मंत्री महोदय ने नेशन को मिसलीड किया इस हाऊस को इस्तेमाल करेके, कि गवर्नमेंट आफ इंडिया का इसमें कोई रोल नहीं है, यह सवाल सुजुकी मोटर कंपनी और मांरूति उद्योग लिमिटेड का है, मगर यह जो मारूति उद्योग लिमिटेड और सुजुकी का टाई अम है, यह जो एग्रीमेंत हुआ है, प्रेसीडेंट आफ इंडिया के नाम पर ही एग्रीमेंट हुआ है। प्रेसीडेंट आफ इंडिया में पार्लियामेंट का महत्व भी होगा है। वर्ष 1982 में जो एग्रीमेंट हुआ था उस को 1992 में उस समय की सरकार ने बदल दिया , उस पर भी हमारी आपत्ति है। आज ऐसी स्थिति है कि 50 प्रतिशत इक्विटि होल्डिंग सुजुकी मोटर की है और 50 प्रतिशत हिन्दुस्तान की है, जिसमें 49.74 गवर्नमेंट आफ इंडिया की है और 0.26 एम्पलाईज की है, इस प्रकार 50 परसेंट हमारी है। मैं एक लेटर पहले कोट करुंगा , चूंकि एग्रीमेंट भी यही कहता है .....(व्यवधान).....

†شری محمد سلیم: اپ سبھا ادھیکش جی۔ ویسے تو میرا معاملہ دوسرا ہے۔ لیکن اسی کے ساتھ سمبندھت ہے۔ ہمارے

†[] Transilteration in Arabic Script

کی جا رہی ہے۔ ماروتی ادیوگ کمیٹڈ کے بارے میں منتری مہودے نے نے اچانک ایک اسٹیٹمنٹ اس دن دیا یہاں پر اور اسمیں یہ کہا کہ ایک ایگریمنٹ ہو گیا ہے "آؤٹ آف دہ کورٹ سٹلمنٹ" انھوں نے اس روز ہم لوگوں کو یہ کہا تھا۔ آج میں سبھا پتی مہودے کے پرتی گریٹفل ہوں کہ انھوں نے میرا یہ اسپیشل مینشن الاؤکیا۔ آپ کو معلوم ہوگا کہ اس دن منتری مہودے نے نیشنس کو مس لیڈ کیا۔ اس ہاؤس کو استعمال کر کے کہ گورنمنٹ آف انڈیا کا اسمیں کوئی رول نہیں ہے۔ یہ سوال سوزوکی موٹر کمپنی اور ماروتی ادیوگ لمیٹڈ کا ہے مگر یہ جو ماروتی ادیوگ لمیٹڈ اور سوزوکی کا ٹائی اپ ہے۔ یہ جو ایگریمنٹ ہوا ہے پریسیڈنٹ آف انڈیا کے نام پر ہی ایگریمنٹ ہوا ہے۔ پریسیڈنٹ آف انڈیا میں پارلیمنٹ کا مہتو بھی ہوتا ہے ورش ۱۹۸۲ میں جو ایگریمنٹ ہوا تھا اسکو ۱۹۹۲ میں اس سمے کی سرکار نے بدل دیا۔ اس پر بھی ہماری آپتی ہے۔ آج ایسی استھتی ہے کہ ۵۰ فیصد ایکیوٹی سوزوکی موٹر کی ہے اور ۵۰ فیصد ھندوستان کی ہے جسمیں ۴۹.۷۴ گورنمنٹ آف

یہاں جو پبلک سیکٹر پرافٹ اپیل ہے...

**شری سناتن بیسی "اپ سبھا ادھیکش"**: آپ کا نام اسمیں نہیں ہے آپ کا نام تو ماروتی ادیوگ کے و شے میں ہے۔

**شری محمد سلیم:** سر۔ میں اسی پرکہہ رہا ہوں کہ ہمارے پرافٹ ایبل پبلک سیکٹر کسی طرح سے دباؤ میں آکر ہویا ایلیورمنٹ میں آکر ہو۔ لالچ سے ہو وہ ہمارے ہاتھ سے آہستہ آہستہ چھوڑے جا رہے ہیں۔ ماروتی ادیوگ لمیٹڈ اسکا ایک کلاسک ایگزامپل ہے کہ کس طرح سے ہم پبلک سیکٹر بناتے ہیں۔ کسطرح سےگورنمنٹ ا سے کنسیشن دیتی ہے زمین سے لیکر ٹیکس تک مین۔ اسکے بعد جب وہ بھارت کی ایک "جیم انڈسٹری" بن جاتی ہےتو اسکوکس طرح سے ہم ملٹی نیشنل کے ہاتھ میں ٹرانسفر کر دیتے ہیں۔ گورنمنٹ کو جن کمپنیوں کے آگے بڑھانا چاہئے۔ اوپر اٹھانا چاہئے۔ مدد دینا چاہئے اسکوتو بندکر رہی ہے:

So, It is a question of priatisation of profits and nationalisation of losses.

†تو اسطرح سے ہمارے ملک کو ہی اندر سے کھوکھلا بنانے کی کوشش

انڈیا کی ہے اور صفراعتسار یہ ۲۶ امپلائز کی ہے اس پر کار ۵۰ پرسینٹ ہماری ہے۔ میں ایک لیٹر پہلے کوڈ کرونگا کیونکہ ایگریمنٹ بھی یہی کہتا ہے:

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा ( दिल्ली): सर, मेरा पाइंट आफ आर्डर है। स्पेशल मेंशन का टाइम लिमिट एक घंटा था। We decided in the Business Advisory Committee that Special Mentions... *(Interruptions)* One hour has already gone. It is not a debating time... *(Interruptions)* There are other things. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैं आपकी बात में इंटरफीयर नहीं करता हूं, लेकिन .....(व्यवधान)..... नहीं, नहीं, उनका मेटर है- अनरेस्ट इन मारूति उद्योग। .....(व्यवधान).....

He is only supporting. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद सलीम: आपकी मर्जी से हाऊस चलेगा क्या? .....(व्यवधान).....

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा: नहीं, मेरी मर्जी का सवाल नहीं है। .....(व्यवधान).....

Don't rub me that way. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): नहीं, नहीं, ऐसा मत बोलिए। हम यहां बैंठे है, न । .....(व्यवधान).....

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा: उपसभाध्यक्ष महोदय, यह तीन मिनट टाइम है स्पेशल मेंशन का रूल्स के मुताबिक। आखिर कोई समय सीमा होनी चाहिए। यह हाउस स्पेशल मेंशन के लिए ही नहीं है, हमें गवर्नमेंट बिजनेस भी पास करना है। ....(व्यवधान).....

DR. BIPLAB DASGUPTA (West , Bengal): Where is the Cabinet Minister, Sir? *(Interruptions)*

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा: 6:00 बजे तक का टाइम था स्पेशल मेंशन के लिए। एक घंटा बीत गया और अभी कई स्पेशल मेंशन पड़े है। प्लीज, आप सदस्यों से कहिए कि थोड़े में बात कहें। अगर पन्द्रह-पन्द्रह मिनट हर सदस्य बोलेगा तो कैसे चलेगा। .....(व्यवधान).....

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): I want to make a submission, Sir. Special Mentions, Zero Hour Submissions, every-ting is being discussed in this House. You are a Member of this House. Mr. Malhotra is a Member of this House. We all know this has been going on. I feel the ruling party must have enough patience. They must accommodate the Op- ' position. If you don't want us, we will walk out. You run the House. You don't want us to be here. You run the show. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Please. Please, Raviji. *(Interruptions)*

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा: सर, प्रणब जी ने वहां यह बात कही थी, मैंने नहीं कही थी, आपके लीडर ने यह बात कही थी, आखिर, कोई टाइम लिमिट होनी चाहिए, समय सीमा होनी चाहिए। .....(व्यवधान).....

Your leader said it. *(Interruptions)*

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, since morning I have been watching. *(Interruptions)* Mr. Malhotra is always trying to give directions to the Chair. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): बैठिए, बैठ जाइए, .....(व्यवधान)..... हम लोग इस पर टाइम खराब न करें। .....(व्यवधान).....

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा: कब तक चलेगा यह स्पेशल मेंशन ? .....(व्यवधान).....

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): प्लीज, प्लीज। प्लीज ऐसे टाइम खराब मत कीजिए। .....(व्यवधान).....SHRI MD. SALIM: The Whip of the ruling party is not the monitor of the House. If you don't allow us to speak, then you won't be able to pass the Government Business.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, the hon. Member cannot dictate terms to the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: They cannot pass even a single Bill without the co-operation of the House. ...*(Interruptions)*...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, if there is any further interruption, then we will go out of the House. ...*(Interruptions)*... We won't be here.

श्री मोम्मद सलीमः आप चाहेंगे तभी हम बोलेंगे? कुछ तो लोकतंत्र का ध्यान किजिए । .....(व्यवधान).....

†**شری محمد سلیم:** آپ چاہیں گے تبھی ہم بولیں گے۔کچھ تو لوکتنتر کا دھیان کریئے ..."مداخلت"...

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्राः इसका मतलब सारा टाइम आप ही बोलेंगे, यही लोकतंत्र है? .....(व्यवधान).....

THE VICE-CHAIRMAN: Mr. Salim, please take your seat.

श्री मोम्मद सलीमः क्या रूलिंग दिया उनके प्वाइंट आफ ऑर्डर पर आपने?

†**شری محمد سلیم:** کیا رولنگ دیا انکے پوائنٹ آف آرڈر پر آپ نے۔

THE VICE-CHAIRMAN (Shri Sanatan Bisi): No, no. There is no point of order. These are not the matters of point of order. Mr. Salim, please take your seat. ...*(Interruptions)*... He is not associating with others. ...*(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: Sir, the Whip of the ruling party is creating disorder in the House. ...*(Interruptions)*...

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्राः कितने बजे तक चलाएंगे आप, यह बता दीजिए?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): प्लीज़ टेक यूअर सीट। एक मिनट बैठिए। मिस्टर सलीम जो बोल रहे हैं, उनका स्पेशन मेंशन है, वह ऐसोसिएट नहीं कर रहे हैं।

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्राः मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि ये स्पेशल मेंशन कब तक चलेंगे, कब बिल आना है? .....(व्यवधान)..... आप हमें टाइम बता दीजिए कि बिल कितने बजे आएगा? .....(व्यवधान).....

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): ठीक है। मिस्टर सलीम अब समाप्त कीजिए।

श्री मोम्मद सलीमः सर, कन्कलूड करने से पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि ज़ीरो ऑवर और स्पेशल मेंशन मैम्बर का राइटऐ चाहे वह किसी भी पार्टी का हो।

†**شری محمد سلیم:** سر۔کنکلوڈ کرنے سے پہلے میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ زیرو آور اور اسپیشل مینشن ممبر کا رائٹ ہے چاہے وہ کسی بھی پارٹی کا ہو۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Please don't go into all those things.

SHRI MD. SALIM: We have sacrificed the Zero Hour.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): That is known to everyone. Please conclude your Special Mention.

SHRI MD. SALIM: Sir, here I would like to quote from a letter written by Osamu Suzuki to the Secretary, Department of Heavy Industry. It states, "Maruti is a private company equally shared by the Government of India and Suzuki Motor Corporation, and appointment of Board Members and their positions in corporate organisation are determined after agreement between both shareholders. The Managing Director is to be elected alternately from the Board Members nominated by both shareholders. In reality, it was common understanding that election of Managing Director of Maruti was virtually conducted in accordance with agreement of the representatives of both shareholders." When the question came in respect of their nominee as the Managing Director in 1995, when the Government of India wanted to remove the Managing Director appointed by/nominated by Suzuki Motor Corporation, they said, "It is not

†[ ]Transilteration in Arabic Script

your business. Government of India, you keep quiet. It is our nominee." This is what the Suzuki Motor Corporation says to the Secretary, Department of Heavy Industry. It says, "It is none of your business. I nominated him. He will continue up to five years. Then it will be your turn and you will nominate. We cannot exchange." And when our turn came, according to the agreement between the President of India, Maruti Udyog Limited and the Suzuki Motor Corporation as per article 5.1 and 5.2, for five years of the Government of India will nominate. All of a sudden, without amending the original agreement, the Minister comes up with an out-of-court settlement. The case was pending in the International Court of Arbitration. The aggrieved party, namely, the Suzuki Motor Corporation had gone to that court. We were on a strong ground. They were about to lose the case. All of a sudden, the Minister comes up with a statement saying हम मेनेजिंग डायरेक्टर को 31 दिसम्बर, 1998 तक चेंज कर देंगे और उसे बिठाएंगे जिसको गवर्नमेंट बिठाएगी।

†ہم منیجنگ ڈائریکٹر ۳۱ دسمبر ۱۹۹۸ تک چینج کردیں گے اور ا سے بٹھائیں گے جس کو گورنمنٹ بٹھایئگی۔

the Government is a continuining entity. Mr. Ram Jethmalani is here. Though it is not his subject, he is a legal luminary. He fought all these cases earlier. Now, Sir, the Government of India is changing its stand and saying that from 1st January, 2000 that person will be the Managing Director who is going to be accepted by the Suzuki Motor Corporation, during our period of five years. Then, who is that* I am not going to name him. The question is, the person who was ousted from the post by the Government of India saying that he is not looking after the interest of the Government of India and Maruti Udyog Limited, but he is acting at the behest of the Suzuki Motor Corporation, the same person has been rehabilitated as Government of India's nominee during our period.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

*Expunged as ordered by the Chair.

6.00 P.M.

[The Vice-Chairman (Shri John F. Fernandes) in the Chair] :

It is a question of sell-out. Suzuki Motor Corporation for the last five years is trying to purchase politicians belonging to different colours, different parties. They are out with a bang, alluring politicians, saying to them, "You fight for our cause." Your party stood by principles and the Governfment which talks of Swadeshi, the Government which talks about the national prestige, the Government which talks against multi-national companies. कि मल्टी- नेशनल्स को हम भगाएंगे, बोतल तोड़ेगे, आज वह पार्टी, वह सरकार सुजुकी मोटर्स के पास हमारी इज्ज़त को, हमारे अधिकार को, हमारी ऐग्रीमेंट के क्लाज़ को पैरोम तले रौंद देती है और सिर झुकाकर मान लेती है।

†جو سرکار یہ کہتی تھی کہ ملٹی نیشنلس کو ہم بھگائیں گے۔ بوتل توڑئیں گے۔ آج وہ پارٹی ۔ وہ سرکار سوزوکی موٹرس کے پاس ہماری عزت کو۔ ہمارے ادھیکار کو۔ ہماری ایگریمینٹ کے کلاز کو پیروں تلے روند دیتی ہےاور سرجھکا کر مان لیتی ہے۔

Is it the way to fight sanctions, to please Japanese investors? No. बल्कि आपने अपनी जो कमजोरी है,

†بلکہ آپ نے اپنی جو کمزوری ہے۔

You have opened a counter for bargain: "Come, bargain and gain." और जो आपके बैकरूम

ब्वायेज़ है आपके पी0एम0ओ0 और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री में, इंडस्ट्री मिनिस्टर को मालूम नहीं कि सैटरडे-संडे को ऐग्रीमेंत हुआ, आऊट ऑफ कोर्ट सैटलमेंत हुआ और मंडे को आकर उन्होंने यहां प्लेस कर दिया। इंडस्ट्री मिनिस्टर को मालूम नहीं, इंडस्ट्रियल सेक्रेटरी को मालूम नहीं। क्या इस तरह से वह काम करेंगे? आज मारूति उद्योग लिमिटेड के तमाम यूनियन के लोग धरना दे रहे हैं, डैमोन्सट्रेशन कर रहे हैं जो प्रॉफ्टिबल प्राइवेट सैक्टर है जिसमे हमने हजारों-लाखों रुपए की रिआयत दी है, आज उसे सुजूकी मोटर्स को प्रैक्टिकली होल्डिग्ज़ न बढ़ाकर भी उसके हाथ में आप दे रहे हैं उनकी मरजी के मुताबिक, उनकी सुविधा के मुताबिक, सुजूकी का पूरे विश्व में कहीम बिजनैस नही हो पा रहा है, जापान में भी नही हो पा रहा है। उसका जो टोटल टर्नओबर है, उसका 50 परसेंट से ज्यादा हिस्सा मारूति उद्योग से आता है आज हम उनके सामने घुटने टेक रहे हैं। अभी तो ओपन है। हम किसि से भी बारगेन कर सकते थे। टेक्रोलोजी का जहां तक सवाल है,ऐग्रीमेंट में वह बात , टेक्रोलोजी देने की बात है लेकिन आपने उस क्लॉज को इनिशियेट नहीम किया, आपने नहीं लिया कि टेक्रोलोजी देने के लिए आप बाध्य है और आपने उनके सामने सिर झुका दिया, मैं इसका प्रतिवाद करता हूं और मांग करता हूं कि इन सब बातों को सामने रखकर मंत्री जी का एक बारे में एक स्टेटमेंट आना चाहिए। देश की संपत्ति को इस तरह से यह सरकार विदेशियों के हाथ में बेचेगी तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा।

†**شری محمد سلیم**: اور جو آپکے بیک روم بوائز ہیں آپ کے بی۔ایم۔او۔ اور انڈسٹری منسٹری میں۔ انڈسٹری منسٹر کو معلوم نہیں کہ سیٹرڈے سنڈے کو ایگریمنٹ ہوا آؤٹ آف کورٹ سنٹلمنٹ ہوا اور منڈے کو آکر انھوں نے یہاں پلیس کر دیا۔ انڈسٹری منسٹر کومعلوم نہیں۔ انڈسٹریل سکریٹری کو معلوم نہیں۔کیا اسطرح سےوہ کام کرینگے۔آج ماروتی ادیوگ لمیٹڈ کے تمام یونین کے لوگ دھرنا دے رہے ہیں ڈمونسٹریشن کر رہے ہیں۔ جو پروفٹ ایبل پرائیویٹ سیکٹر ہیں جسمیں ہم نے ہزارو لاکھوں روپیہ کی رعایت دی ہے۔ آج ا سے سوزوکی موٹرس کو پریکٹیکلی ہولڈ نگز نہ بڑھاکر بھی اسکے ہاتھ میں آپ دے رہے ہیں۔ انکی مرضی کے مطابق انکی سویدھا کے مطابق۔ سوزوکی کا پورے وشو میں کہیں بزنس نہیں ہوپا رہا ہے اسکا جتھوٹل ٹرن اوور ہے اسکا ۵۰ فیصد سے زیادہ حصہ ماروتی ادیوگ سے آتا ہے۔ اورآج ہم انکے سامنے گھٹنے ٹیک رہے ہیں۔ ابھی تو اوپن ہے۔ ہم کسی سے بھی بارگین کر سکتے تھے۔ ٹیکنا لوجی کا جہاں تک سوال ہے۔ایگریمنٹ میں وہ بات ہے۔ ٹیکنالوجی دینے کی بات ہے لیکن آپ نے اس کا لج کو انیشی ایٹ نہیں کیا۔ آپنے نہیں لکھا ہےکہ ٹیکنالوجی دینے کے لئے آپ باد ھے ہیں اور آپنے انکے سامنے سرجھکا دیا۔ میں اسکا پرتیواد کرتا ہوں اور مانگ کرتا ہوں کہ ان سب باتوں کو سامنے رکھکر منتری جی کا اس بارے میں ایک اسٹیٹمنٹ آنا چاہئے۔ دیش کی سمپتی کو اس طرح سے یہ سرکار ودیشیوں کے ہاتھ

† [ ]Transilteration in Arabic Script

میں بیچیگی تو اسکا انجام بہت برا ہوگا۔ "ختم شد"

THE MINISTER OF POWER (SHRI , R. KUMARAMANGALAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I have a request. *(Interruptions)* The hon. Member used * *(Interruptions)* 'I do not want to name the * At this stage he used the word, * *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): He was referring to whom? Whom were you referring to, Mr. Salim? To the hon. Minister?

SHRI R. KUMAR AMANGALAM: It is not parliamentary. We do not use it. *(Interruptions)* That should not go on record. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): In what context it has been referred? I have to go through the record. Mr. Minister, I will go through the record if it is used in a wrong manner. *(Interruptions)*

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): It is not unparliamentary. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): If it is used against the Minister, I think, it is not proper. *(Interruptions)*

SHRI R. KUMARAMANGALAM: Be it an individual. Minister is no better and no worse than any citizen of India. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I will go through the record.

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): It is for the first time in my life I hear that the word * is an offensive word. It cannot be unparliamentary.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I have a record before me. It is unparliamentary and it will be expunged. Mr. Ahluwalia now.

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री समशेर सिंह सुरजेवाला ( हरियाणा): महोदय, मैं यह कहना हूं कि मारूति उद्योग लिमिटेड को हरियाणा में प्राईम लैंड फूटी कोडियों के भाव दी गई थी इसलिए क्योकि वह सरकार की कंपनी थी। हमने वहां पर कैप्टिव प्लांट लगाया था अपने प्रांत की बिजली देकर। आप प्रबंध उनके हाथ में सौंपकर जहां देश का बहुत बड़ा नुकसान कर रहे है वही हरियाणा का भी बड़ा भारी नुकसान कर रहे हैं। जापान वालों को यह कंपनी देकर आप हमारा बहुत बड़ा नुकसान कर रहे हैं। हमने इस कंपनी को लगाने में मदद करके इस देश के लोगों के लिए सैक्रिफाईस किया था, किसी प्राइवेट आदमी के लिए, प्राइवेट कंपनी के लिए सैक्रिफाईस नहीं किया था।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Okay, please take your seat. Shri Ahluwalia now

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): I have a separate subject. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): On a separate subject only. That is over now. Mr. Ahluwalia, there is an announcement by the Parliamentary Affairs Minister.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI DILIP RAY): The House is to transact certain important business today. Dinner has been arranged for the hon. Members, Press and the staff. Dinner will be available at 8 p.m. in Room No. 70 for the hon. Members and the Press and in Room No. 73 for the staff.

**Pilferage of Data from B.A.R.C. Plants Regarding Nuclear Explosion by Computer Hackers**

श्री एस0एस0 अहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण मद्दा उठाना चाहता हूं। मैं पिछले छः दिन से इंतजार कर रहा था इस मुद्दे को आपको सामने रखने के लिए, पर सदन के सामने और भी बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे